हारे का सहारा | by Vipin Aggarwal

हारे का सहारा है तू श्याम हमारा है
याद तेरी जब सांवरे हमको आती है तो रुलाती है

दुनिया का हर रिश्ता लगता झूठा है
अपने प्रेमी से क्या तू भी रूठा है
तुझे भोग लगाऊं क्या मुझे खाने के लाले हैं
तेरे दर कैसे आऊं मेरे पाँव में छाले हैं
ये दुनिया गरीबी की मेरी हंसी उड़ाती है
आँख मेरी फिर भर भर नीर बहाती है ये बहाती है

मैंने सुना तू जग का पालनहारा है
खाटू नगरी में दरबार तुम्हारा है
तेरी शरण में आकर के सब कुछ मिल जाता है
रोता हुआ आये जो हँसता हुआ जाता है
मेरे जीवन दीपक की तेरे हाथ में बाती है
याद तुम्हारी जब जब मुझको आती है वो रुलाती है

अंत समय जब मौत का साया बैठा हो
हाथ तू फेरे सर पे पास में बैठा हो
विपिन तेरे चरणों में तेरा गुणगान करे
गर फिर से जनम मिले खाटू दरबार मिले
जब मिला है जीवन तो फिर मौत भी आती है
याद तेरी जब सांवरे हमको आती है वो रुलाती है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-vipin-aggarwal/